

Topic 2

कव्वादिषण की धातुएँ

कव्वादिभ्यो यक् ।
रभ्यो धातुभ्यो निलम् यक् स्थात् स्वाये । कव्वादिभ्यो
ग्राहविषयम् । कव्वादिभ्यो । कव्वादिभ्यो । इत्यादि ।

'कव्वादिभ्यो यक्' आदि धातुओं के बाद 'यक्' प्रत्यय होता है। उदाहरण के लिए 'कव्' धातु से 'यक्' प्रत्यय होकर 'कव् य' रूप बनता है। इस स्थिति में इसकी धातुसंज्ञा होने पर लट् लकार के प्रथमपुरुष - एकवचन में लिप्, शप् और पर-रूप होकर 'कव्वादिभ्यो यक्' सिद्ध होता है। आत्मनेपद प्रत्यय आये पर 'कव्वादिभ्यो यक्' बनता है।